7. गीतिकाव्य परम्परा में विद्यापति का स्थान निर्धारित कीजिए।

8. 'घनानंद' प्रेम की पीर के कवि हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

9. आपसी की काव्य रचनाओं का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. तुलसीदास की भक्तिभावना पर एक लेख लिखिए।

11. कबीर काव्य के अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष का विवेचन कीजिए।

12. रीतिमुक्त काव्य धारा में घनानंद के काव्य की भूमिका का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।

13. किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिए :

(क) सूरदास की भाषा सृष्टि

(ख) पृथ्वीराज रासो में युद्ध एवं श्रृंगार

(ग) बिहारी के काव्य में भक्ति एवं श्रृंगार

(घ) मीरा की भक्ति भावना 2×8=16

MAHD–01

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : MAHD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) विद्यापति कृत किन्हीं **दो** रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) पृथ्वीराज रासो के विवादास्पद होने के कोई **दो** कारण लिखिए।

(iii) सूफी काव्य में इश्क मज़ाजी और इश्क हकीकी से क्या तात्पर्य है ?

(iv) कबीर काव्य में 'साखी' शब्द को परिभाषित कीजिए।

(v) घनानंद की किन्हीं **दो** रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) 'बिहारी सतसई' की कोई **दो** विशेषताएं बताइए।

(vii) कवि भूषण के काव्य की विशिष्टता लिखिए।

(viii) तुलसीदास की किन्हीं **दो** काव्य रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जिहि उद्द्वि मथ्थए। रतन चौदह उद्धारे॥
सोइ रतन संजोग। अंग-अंग प्रति पारे॥
रूप रंग गुन लच्छि। वचन अमृत विष लज्जिय॥
परिमल सुरतरू अंग। संष ग्रीवा सुन सज्जिय॥
बदन चंद चंचल तुरंग। गय सुगति जुब्बन सुरा॥
थेनहु सु धनंतरि सीलमनि। भौंह धनुष सज्जौं नरा॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नन्दन नन्दन कदम्बे तरूतरे टरलि बोलाव।
समय संकेत निकेतन वइसल बेरि बेरि बोलि पठाव।
सामरी तोरा लागि अनसुने बिकल मुरारि।
जमुनाक तिर उपवन उद्‌बेगल, फिरि फिरि ततहि निहारी।
गौरस बिके निके अबइते जाइते, जनि जनि पुंछ वनवारि॥
तोहे मतिमान सुमति मधुसूदन वचन सुनह किछु मोरा।
भनइ विद्यापति सुन वरजौवति वन्दहु नन्द किसोरा॥

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तोको पीव मिलेंगे घूँघट के पट खोल रे।
घट-घट में वही साई रमता, कटुक वचन मत बोल रे।
धन-जोबन को गरब न कीजै, झूठा पंच रंग चोल रे।
सुन्न महल में दियना बार ले, आसन सो मत डोल रे।
जोग जुगत सो रंगमहल में, पिय पाई अनमोल रे।
कहैं कबीर आनंद भयो है, बाजत अनहद ढोल रे।

5. मीरा के काव्य में लोकसंस्कृति का वर्णन कीजिए।

6. पद्‌माकर के काव्य में प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।